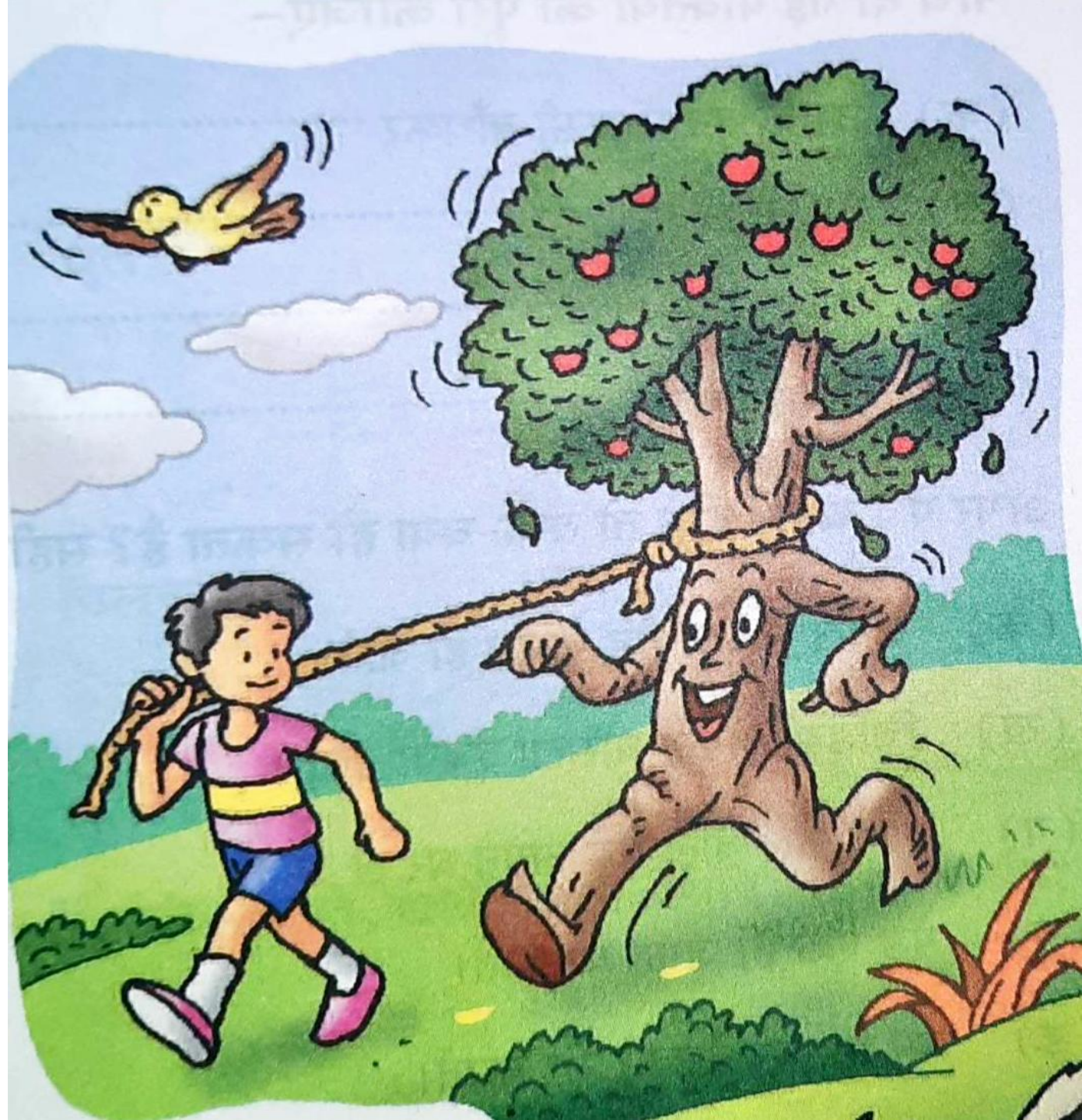


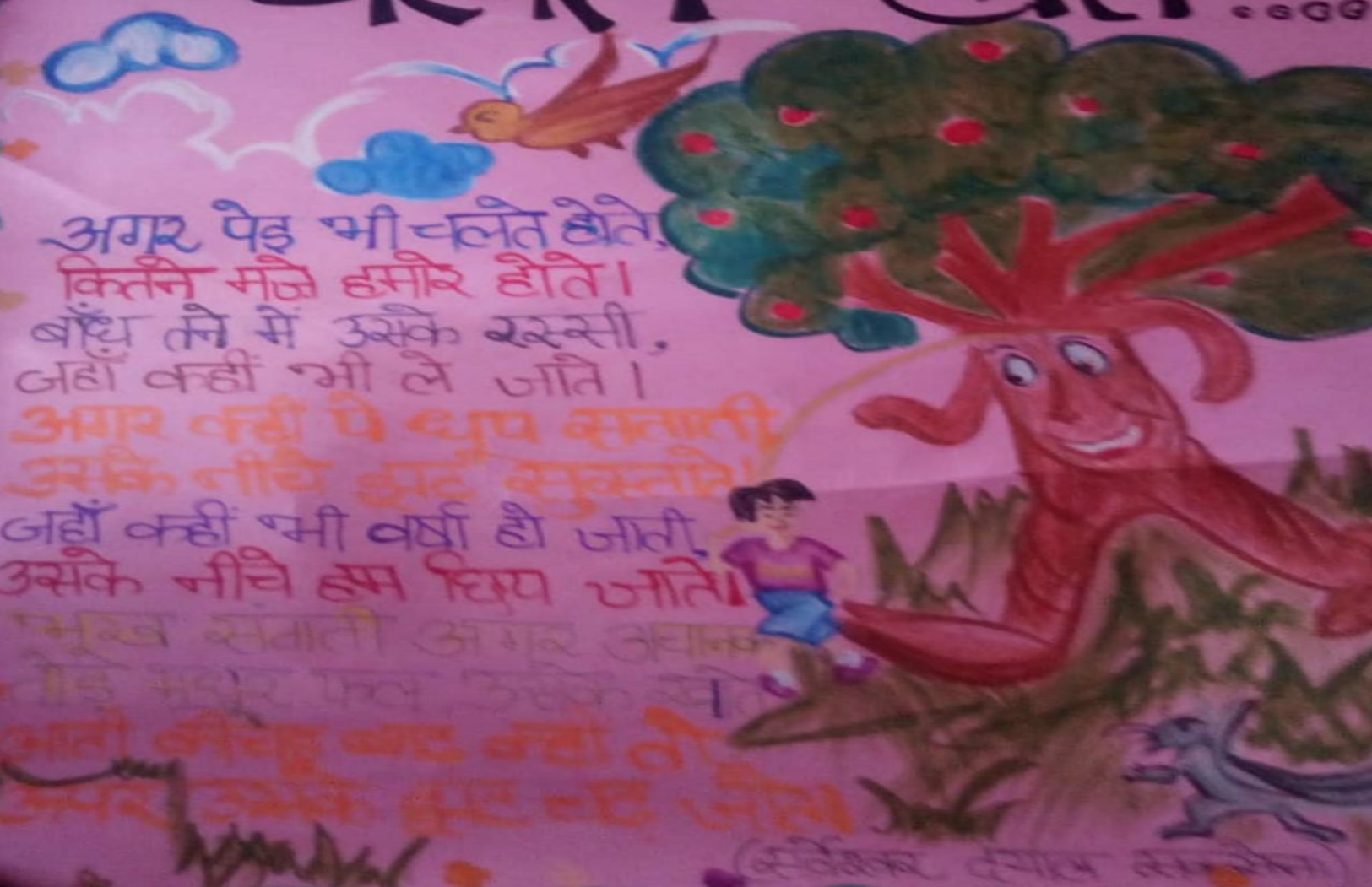
अगर पेड़
भी चलते
होते



प्रकृति का गहना पेड़



आगर पेड भी चलते हैं



अगर पेड भी चलते होते,
 कितने मजे हमारे होते।
 बाँध लें से उसके रख्सी,
 जहाँ कहीं भी ले जाते।
 अगर कहीं पे धूप सुताती
 उसके नीचे इतने सुकताते।
 जहाँ कहीं भी वर्षा हो जाती,
 उसके नीचे हम छिया जाते।
 भूख सुताती अगर उधान
 तोड़ मधुर फल उसके से।
 आती लीकू बूट कहीं तो
 ऊपर उसके इट बूट जाते।

(कविशंकर कुमार कपूर)



5.2

अगर पेड़ भी चलते होते

प्र०१. हमारे मजे कैसे होते हैं ?

उत्तर: - हमारे मजे तभी होते अगर पेड़ भी चल पाते

प्र०२. हम पेड़ को एक स्थान से दूसरे स्थान तक कैसे ले जाते ?

उत्तर: - पेड़ के तने में रस्सी बाँधकर, हम पेड़ को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते।

प्र०३. धूप लगने पर हम क्या करते ?

उत्तर: - धूप लगने पर हम जल्दी से पेड़ के नीचे छाया में आराम करते।

प्र०४. भूख लगने पर हम क्या करते ?

उत्तर: - भूख लगने पर हम पेड़ से मीठे-मीठे फल तोड़कर खा लेते।

प्र०५. कीचड़ बाढ़ आने पर हम क्या करते ?

उत्तर: - कीचड़ बाढ़ आने पर हम जल्दी से पेड़ पर चढ़ जाते।

प्र०६. हमें पेड़ क्यों लगाने चाहिए ?

उत्तर: - धरती को हरा-भरा बनाने रखने के लिए हमें पेड़ लगाने चाहिए।

प्र०७. हम पेड़ों का धन्यवाद किस प्रकार कर सकते हैं? १११

उत्तर: - हम पेड़ों का धन्यवाद उनकी देख-भाल करके, व उन्हें कटने से बचाकर कर सकते हैं।

प्र०८. पेड़ों से हमें क्या-क्या मिलता है ?

उत्तर: - पेड़ों से हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन, जलाने के लिए लकड़ी, पशुओं के लिए चारा, दवाइयाँ आदि मिलता है।

धन्यवाद